प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

पंचदश बिहार विधान सभा के द्वितीय सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर मैं आप सबों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान कुल-25 बैठकें होगी, जिनमें महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर विमर्श के लिए दो दिन, वर्ष 2011-12 के वार्षिक आय-व्ययक पर सामान्य विमर्श के लिए दो दिन, विभिन्न विभागों के माँगों पर विमर्श के लिए तेरह दिन, राजकीय विधेयक के लिए दो दिन, गैर सरकारी संकल्प के लिए दो दिन, विनियोग विधेयक के लिए एक दिन और तृतीय अनुपूरक व्यय विवरणी की माँग के लिए एक दिन प्रस्तावित है ।

बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए आधुनिकीकरण, परिवर्त्तन, नवीनीकरण और ढाचागत विकास अतिआवश्यक है, जिसके सम्बन्ध में आप सभी सदन में अपना बहुमूल्य विचार एवं सुझाव रख सकते हैं ।

जनता की आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं के प्रति संसदीय प्रणाली को अधिक संवेदनशील और प्रभावशाली बनाना जरूरी है, जिसके लिए लोकतंत्र को जवाबदेह, भागीदारपूर्ण, विचारों के आदान-प्रदान करने वाला और समावेशी बनाए रखना हम सभी का दायित्व है ।

सदन में प्रश्नोत्तर काल के साथ महत्वपूर्ण कार्यवाहियों का आकाशवाणी तथा दूरदर्शन से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे बिहार के आम-अवाम सदन की कार्यवाही से रू-ब-रू होते रहें ।

पूर्व की भाँति स्कूल के छात्र/छात्राओं को सदन की कार्यवाही दिखलाने की व्यवस्था की जा रही है, जिससे संसदीय प्रणाली में उनकी गहरी अभिरूचि का विकास हो सके ।

मुझे आशा और विश्वास है कि सदन के संचालन में आप सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा ।

❄❄❄❄❄